णमोकार मंत्र

Presentation Created By:
Smt Sarika Chhabra

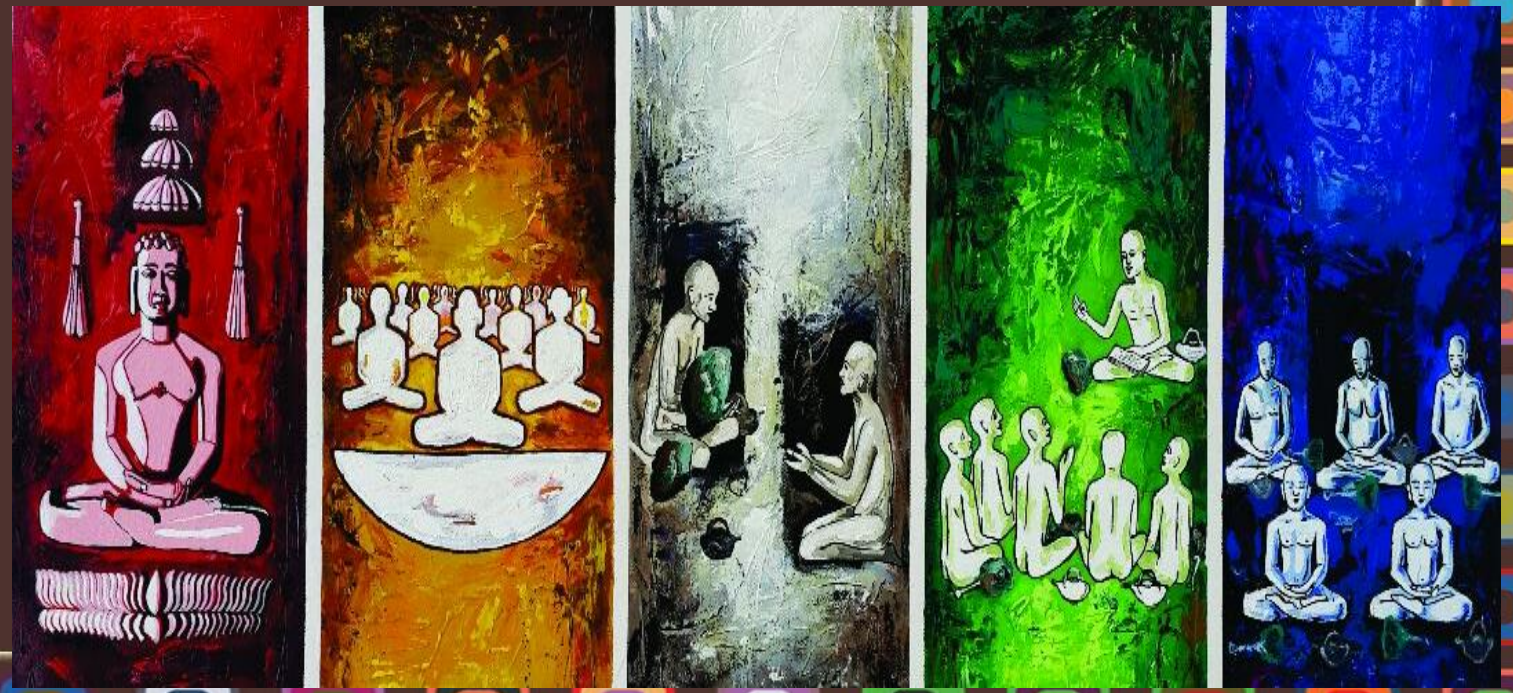

	लोक में सब...
णमो अरिहंताणं,	अरहंतों को नमस्कार हो,
णमो सिद्धाणं णमो आइरियाणं ।	सिद्धों को नमस्कार हो,
णमो उवज्झायाणं,	आचार्यों को नमस्कार हो,
णमो लोए सव्व साहूणं॥	उपाध्यायों को नमस्कार हो और
	साधुओं को नमस्कार हो ।

www.free-power-point-templates.com

‘लोए सव्व’

शब्द अन्त्यदीपक है

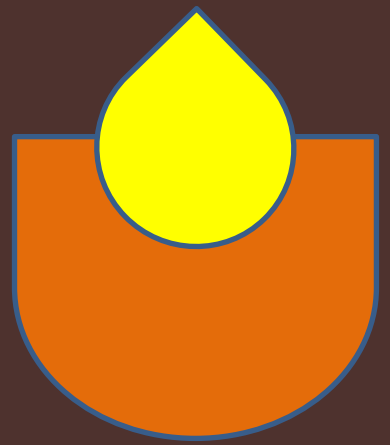

www.free-power-point-templates.com

परमेष्ठी किसे कहते हैं ?

जो परम पद में स्थित हैं, वे परमेष्ठी कहलाते हैं ।

ये 5 हैं : अरहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु

Presentation created by : Smt. Sarika Vikas Chhabra
www.free-power-point-templates.com

कौन भगवान और कौन गुरु ?

www.free-power-point-templates.com

अरहंत	• शरीर सहित भगवान
सिद्ध	• शरीर रहित भगवान
आचार्य	• मुनि संघ के नायक
उपाध्याय	• मुनियों को पढ़ाने वाले
साधु	• सामान्य से सभी मुनि

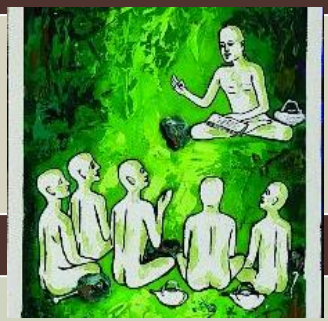

www.free-powerpoint

इस मंत्र के अन्य कौन-कौन से नाम हैं?

अनादि-निधन मंत्र

अपराजित मंत्र

पंच नमस्कार मंत्र

मूल मंत्र

महामंत्र

www.free-power-point-templates.com

अनादि-निधन

अन् + आदि

जिसकी शुरुआत नहीं हुई

अ + निधन

जिसका नाश नहीं होता

मूलमंत्र

सब मंत्र में ॐ मूल रूप से आता है

ॐ (ओम्) = अ (अरहंत) +

अ (अशरीरी) +

आ (आचार्य) +

उ (उपाध्याय) +

म् (मुनि)

कहाँ से आया?

षट्खण्डागम ग्रंथ का मंगलाचरण है।

आचार्य पुष्पदंत और भूतबली स्वामी द्वारा रचित

www.free-power-point-templates.com

अन्य विशेषतायें-

- प्राकृत भाषा में है
- 5 पद हैं
- 35 अक्षर हैं
- 58 मात्रायें हैं
- इस मंत्र में कुछ माँगा नहीं गया है

साध्य

अरहंत, सिद्ध

साधक

आचार्य,
उपाध्याय, साधु

www.free-power-point-templates.com

एसो पंचणमोयारो सव्वपावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं होहि मंगलम्॥

यह पँच नमस्कार मंत्र सब पापों का नाश करने वाला है

और सब मंगलों में पहला मंगल है।

www.free-power-point-templates.com

इसके स्मरण से पापों का नाश कैसे होता है?

मंत्र का स्मरण करते समय

5 पाप और कषाय रूप प्रवृत्ति नहीं करते हैं

नये पाप कर्म नहीं बंधते हैं और

जो पुराने पाप कर्म उदय में आते हैं उनकी निर्जरा हो जाती है

णमोकार मंत्र के स्मरण से क्या लाभ है?

1. सभी पापों का नाश होता है।

2. मोह-राग-द्वेष का अभाव होता है।

3. सम्यग्ज्ञान प्राप्त होता है।

लाभ

जो जीव

इन पाँचो परमेष्ठी के स्वरूप को पहिचान कर

उनके बताये हुये मार्ग पर चलता है

उसे सच्चा सुख प्राप्त होता है

r-point-templates.com

यह 9 बार क्यों बोला जाता है?

मन	वचन	काय
कृत	कृत	कृत
कारित	कारित	कारित
अनुमोदना	अनुमोदना	अनुमोदना

पूर्वक नमस्कार करने के लिये

www.free-power-point-templates.com

मंदिरजी में प्रतिमा किसकी है?

अरहंत भगवान की

www.free-power-point-templates.com

अरहंत बड़े हैं कि सिद्ध?

सिद्ध

www.free-power-point-templates.com

तो फिर मंत्र में अरहंत भगवान को पहले क्यों नमस्कार किया है?

अरहंत भगवान मोक्षमार्ग बताते हैं,
इसलिए उन्हें पहले नमस्कार किया है ।

Presentation created by :
Smt. Sarika Vikas Chhabra

For comments / feedback / suggestions,
please contact:
sarikam.j@gmail.com

For updates, check www.jainkosh.org

www.free-power-point-templates.com